गणपति बप्पा मोरया के जयकारे के साथ विराजे गणपति

गणेश चतुर्थी पर जिले में शहर सहित ग्रामीण अंचलों में जगह-जगह पण्डालों में विराजमान की गई भगवान गणेश की प्रतिमाएं

नवभारत न्यूज

सीधी 14 सितम्बर। गणपति बप्पा मोरया के जयकारे के साथ आज जगह-जगह गणपति विराजे। आज गणेश चतुर्थी के अवसर पर जिले में शहर सहित ग्रामीण अंचलों में जगह-जगह पण्डालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं विराजमान की गई।

शहर के गांधी चौक में गल्ला मंडी के राजा भगवान श्री गणेश की विशाल प्रतिमा की स्थापना गाजे-बाजे के साथ वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच बीती रात से शुरू हो गया था। साथ ही सोनांचल बस स्टैण्ड के सामने गणेश जी भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। वहीं घरों में विराजित करने के लिए लोगों में अब इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा की मांग बढ़ गई है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में दो दर्जन से अधिक प्रतिमाएं स्थापित की जा रही है। कई प्रतिमाएं आज ही स्थापित हो गई है तो कुछ मुहूर्त के अनुसार स्थापित होने वाली हैं। भगवान गणेश की स्थापना के लिए गणेश चतुर्थी का पर्व सोमवार को शुभ मुहूर्त में शुरू हो चुका है। भगवान श्री गणेश को विराजित करने के लिए घरों और मंदिरों के साथ ही सार्वजनिक गणेशोत्सव के लिए भी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। शहर के प्रमुख क्षेत्रों के बाजारों में गणपति बप्पा की मूर्तियां स्थापित होने लगी हैं। पंडालों में रखी जाने वाली 5 से 11 फीट की प्रतिमाओं को बुकिंग के हिसाब से तैयार हो चुकी हैं। इनकी बुकिंग कई दिन पहले ही करा दी गई थी। बड़ी प्रतिमाओं की डिलेवरी भी गोदाम से हो रही है। ज्यादा बड़ी प्रतिमाओ की मांग नहीं रही है। बाजार में इस बार ईको-फ्रेंडली भगवान गणेश की प्रतिमा की मांग सबसे अधिक है। शहर की गणेश प्रतिमा की दुकानों पर मिट्टी की प्रतिमाओं के दाम अधिक है। वैसे इस बार मिट्टी की प्रतिमाओं की कीमत 1000 रूपए लेकर बड़ी प्रतिमा 12-15 हजार रूपए तक है। हालांकि घरों में विराजित करने वाली प्रतिमाएं छोटी अधिकतम 2 से 3 फीट तक होती है। इससे बड़ी प्रतिमाएं पंडालों में विराजित की जाती है। शहर में प्रतिमा बनाने वाले स्थानीय कारीगरों के अलावा बंगाल के भी आए हुए हैं। इनके द्वारा गणेश प्रतिमाओं के बाद दुर्गा प्रतिमाओं का निर्माण भी करने की तैयारी है।

ग्रामीण अंचलों में भी गणपत्ति बप्पा की धूम

जिले के कस्बाई एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी गणेशोत्सव को लेकर भक्तों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। गणेश चतुर्थी पर आज भक्तों द्वारा गणेश प्रतिमाओं की स्थापना पंडालों के साथ ही अपने घरों में भी की गई है। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के बाद भक्तगण सुबह से लेकर देर शाम तक गणेश की आराधना में लीन रहेंगे। कई घरों में स्थापित प्रतिमाओं के लिए पुरोहित की व्यवस्था भी बनाई गई है जिससे वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच धार्मिक कार्यों का आयोजन किया जा सके। पंडालों में विराजे गणपति बप्पा की आराधना में गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ ही स्थानीय भक्तगण लगे हुए हैं। साथ ही सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बनाई जा रही हैं जिससे गणेशोत्सव के दौरान गणपति बप्पा मोरया की आराधना में सुविधा रहे। सुबह एवं शाम को गणेश प्रतिमा स्थलों में भक्तों की सबसे ज्यादा भीड़ आज पहले दिन से ही उमड़ना शुरू हो गई है। गणपति बप्पा की आराधना के लिए भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जा रहा है। बताते चले कि सीधी जिले में गणेशोत्सव का आयोजन शहरी क्षेत्रों से ही करीब 25 वर्ष पूर्व शुरू हुआ था। धीरे-धीरे इसका फैलाव कस्बाई एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी हो चुका है। कई कस्बों में भी गणपति बप्पा मोरया की प्रतिमा आज से स्थापित की जा रही है। साथ ही ग्रामीण अंचलों में भी कई भक्तों द्वारा गणेश प्रतिमा की स्थापना की गई है। चर्चा के दौरान कई भक्तों ने कहा कि हर वर्ष गणेशोत्सव के दौरान 10 दिनों तक भक्तगण गजानन की आराधना में पूरी आस्था के साथ लीन रहते हैं।

गणेश मंदिर पूजा पार्क में आज होगा विशाल भंडारा

नवभारत न्यूज

सीधी 14 सितम्बर। भगवान श्रीगणेश की कृपा एवं सनातन धर्म के प्रति आस्था को समर्पित दो दिवसीय धार्मिक आयोजन का शुभारंभ पूजा पार्क सीधी में किया गया।

आयोजन के प्रथम दिवस 14 सितम्बर को अखंड श्री रामचरित मानस संकीर्तन शुरू किया गया है तथा 15 सितम्बर को अखंड मानस का समापन हवन एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम शाम 4 बजे से पूजा पार्क में आयोजित किया जाएगा। आयोजक भोला प्रसाद गुप्ता ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक आस्था, संस्कार एवं सामाजिक एकता को मजबूत करना तथा श्री रामचरित मानस के माध्यम से जन-जन तक सनातन संस्कृति और प्रभु श्रीराम के आदर्शों का संदेश पहुंचाना है। उन्होने जिले की आम जनता, धर्मप्रेमी नागरिकों तथा श्रद्धालुओं से सपरिवार आयोजन में शामिल होकर अखंड मानस संकीर्तन में सहभागिता करने एवं 15 सितम्बर को भंडारा एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि आयोजन किसी एक परिवार का नहीं बल्कि समाज और धर्मप्रेमी जनमानस की सामूहिक आस्था का आयोजन है। उन्होंने सीधी की जनता से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

ज्ञान सिंह के निवास पर रामायण पाठ एवं भजन से भक्तिमय हुआ वातावरण

▶ कन्या भोज एवं भंडारे का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

सीधी 14 सितम्बर। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह के निज निवास दक्षिण करौंदिया सीधी में जन्माष्टमी से लगातार चल रहे श्री रामायण पाठ एवं भजन कार्यक्रम के दौरान अपनी कला, मधुर वाणी और भक्ति के माध्यम से सहभागिता करने वाले समस्त कलाकारों का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

कलाकारों का सम्मान पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी शंभूनाथ त्रिपाठी एवं प्रसिद्ध उद्घोषक राजकरण शुक्ला के द्वारा हुआ। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने धार्मिक आयोजन को अपनी मधुर वाणी, भजनों एवं रामायण पाठ के माध्यम से भक्तिमय बनाने वाले सभी कलाकारों के प्रति हृदय से आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कलाकारों की समर्पित सहभागिता ने पूरे आयोजन की गरिमा और आध्यात्मिकता को और अधिक बढ़ाया। उनकी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति और आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हुई। विशाल भंडारे से पूर्व कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया। विधि-विधान से कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया तथा श्रद्धापूर्वक प्रसाद अर्पित किया गया। इसके पश्चात दोपहर से विशाल भंडारे का आयोजन प्रारंभ हुआ, जिसमें जिले भर से बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने आयोजन में पधारे सभी श्रद्धालुओं, कलाकारों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों की सफलता सामूहिक सहभागिता और सहयोग से ही संभव होती है।

प्रलेसं का 14वां प्रांतीय अधिवेशन इंदौर में, सीधी की बैठक का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

सीधी 14 सितम्बर। प्रगतिशील लेखक संघ मध्य प्रदेश का 14वां प्रांतीय अधिवेशन आगामी 24-25 अक्टूबर को इंदौर में होने जा रहा है। जिसका ध्येय वाक्य उम्मीद से भर दे जहान होगा। सम्मेलन के मुख्य अतिथि देश और दुनिया के प्रसिद्ध भाषा विद और विचारक डॉ.गणेश एन देवी होंगे।

प्रलेस इकाई सीधी की बैठक संरक्षक राजेन्द्र सिंह भदौरिया तथा शिव शंकर मिश्रा सरस के मुख्य आतिथ्य एवं इकाई अध्यक्ष सोमेश्वर सिंह के अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें प्रांतीय सम्मेलन में भागीदारी के लिए प्रतिनिधियों का नाम तय किया गया। सीधी से 10 लेखको का समूह सम्मेलन में भागीदारी करेगा। सम्मेलन में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों के भोजन आवास की व्यवस्था सम्मेलन समिति द्वारा की गई है। इस अवसर पर एक स्मारिका का भी प्रकाशन किया जा रहा है। सम्मेलन तथा स्मारिका की सफलता के लिए सभी साथियों से यथासंभव आर्थिक सहयोग की भी अपेक्षा की गई है। सम्मेलन में वही प्रतिनिधि शामिल होने के लिए अधिकृत होंगे जिनका नाम पहले से सीधी जिला इकाई द्वारा अनुमोदित कर भेजा जाएगा। इसलिए संगठन के जो सदस्य प्रांतीय सम्मेलन में शामिल होने के इच्छुक हों वह अपना नाम पहले से जिला इकाई सीधी को दे दें। बैठक में साथी अशोक तिवारी महासचिव, जगदीश प्रसाद मिश्रा, राजीव सिंह चौहान, कमलापति गौतम, गणेश प्रसाद विकट मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सचिव पुत्री की दिल्ली में सड़क हादसे से मौत, क्षेत्र में मातम

नवभारत न्यूज

मझौली 14 सितम्बर। विकासखंड क्षेत्र मझौली के मड़वास थाना क्षेत्र के मझिगवां ग्राम निवासी ग्राम पंचायत सचिव विजय सिंह बालेन्दु की होनहार पुत्री की जो अभी हाल ही में कैरियर की खोज में गांव से दिल्ली कोचिंग करने गई हुई थी। विगत दिनों सड़क हादसे में मृत्यु होने की खबर से क्षेत्र में मातम छाया हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार विजय सिंह बालेन्दु ग्राम पंचायत सचिव निवासी मझिगवां थाना मड़वास विकासखंड मझौली जिला सीधी की पुत्री अर्पिता सिंह उम्र 17 वर्ष अभी कुछ वर्ष पूर्व ही कैरियर की खोज में दिल्ली कोचिंग करने गई हुई थी, जो विगत दिनों कोचिंग से लौटते वक्त किसी अज्ञात वाहन के ठोकर लगने से सड़क हादसे का शिकार हो गई और उसकी मृत्यु हो गई। उनके मृत्यु की खबर लगते ही समूचे मझौली-मड़वास क्षेत्र में मातम छाया हुआ है। वही शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का दौर जारी है। जिसमें पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अभ्युदय सिंह राज, जनपद पंचायत सीईओ मझौली सुरभि श्रीवास्तव, सरपंच पति मड़वास रामभजन जायसवाल, रोहिणीरमण मिश्रा, सरपंच डांगा अखिलेश जायसवाल, अशोक सिंह, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह सरपंच भुमिका, सरपंच पति मुढ़हेरिया ललन सिंह, शरद सिंह पिंटू, जनपद मझौली के प्रदीप माण्डले, संतोष निगम, राजेश्वर तिवारी, आजाद सिंह, नारायण बैगा, सुनील तिवारी, अरविंद तिवारी, राजेन्द्र द्विवेदी सहित समस्त अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, सरपंच तथा क्षेत्र वासियों द्वारा शोक संवेदना व्यक्त की जा रही है।

दो रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर लिए गए सेम्पल

नवभारत न्यूज

सीधी 14 सितम्बर। आयुक्त के आदेशानुसार एवं कलेक्टर के निर्देशन में शहर के दो रेस्टोरेंटस का निरीक्षण कर प्रयोगशाला जांच के लिये गये सेम्पल लिए गए।

डीपी काम्प्लेक्स में संचालित मधुरम रेस्टोरेंट से पनीर, स्वीट कार्नर, अरहर दाल और गंगोत्री रेस्टोरेंट से पनीर और आटा का नमूना राज्य प्रयोगशाला जांच हेतु लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश लोधी ने बताया कि रेस्टोरेंटस, डेयरी, मिठाई प्रतिष्ठान, किराना दुकान एवं अन्य खाद्य सामग्री प्रतिष्ठानों की जांच का अभियान सतत चलाया जा रहा है।

सेवा, सुशासन और जनभागीदारी के संकल्प के साथ चलेगा अभियान : गणेश

सेवा संकल्प अभियान को लेकर पत्रकार वार्ता का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

सीधी 14 सितम्बर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सतना सांसद गणेश सिंह ने प्रदेश प्रतिनिधि के रूप में स्थानीय सर्किट हाउस सीधी में भाजपा जिलाध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश और जिले भर में चलाए जाने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए सतना सांसद गणेश सिंह ने कहा कि सेवा, सुशासन और जनभागीदारी के संकल्प के साथ 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलेगा। प्रधानमंत्री जी के सेवा-संकल्प से प्रेरणा लेकर विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण को देंगे गति। प्रधानमंत्री के लिए सेवा केवल संकल्प नहीं जीवन का ध्येय है। सांसद श्री सिंह ने कहा कि 25 वर्षों तक लगातार जनता का आशीर्वाद पाना लोकतांत्रिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। मोदी के 25 वर्ष के सेवा, सुशासन व समर्पण को जन-जन तक भाजपा पहुंचाएगी। अलग-अलग 12 कार्यक्रमों के जरिए 71 हजार से अधिक बूथों पर हर लाभार्थियों तक भाजपा पहुंचेगी। 17 सितम्बर को शाम 7 बजे प्रदेश के सभी लाभार्थियों के घरों में दीप प्रज्वलित होंगे। सेवा-संकल्प से प्रेरणा लेकर विकसित और आत्मनिर्भर म.प्र. के निर्माण को नई गति देने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के तहत रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, सेवा कार्य, प्रदर्शनियां, संवाद एवं जनसंपर्क समेत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच सेवा का संकल्प लेकर पहुंचेंगे।

सांसद गणेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकाला और 4.5 करोड़ से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास दिया। 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण, 200 करोड़ से अधिक मुफ्त कोविड टीके और 100 करोड़ से अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि 80 करोड़ नागरिकों को नि:शुल्क राशन और देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से नीति निर्धारण में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रधानमंत्री जी को मिले 37 अंतर्राष्ट्रीय सम्मान 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य का प्रतीक हैं। इसके पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने आए हुए पत्रकारों का अभिनंदन करते हुए सेवा संकल्प अभियान की योजना रचना एवं जिले में होने वाले कार्यक्रमों को विस्तार से बताया। पत्रकार वार्ता का संचालन भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे एवं आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष डॉ.मनीला सिंह चौहान ने किया।

एक नजर में

सरस्वती शिशु मंदिर कोटहा में हुई गणेश स्थापना

सीधी। सरस्वती शिशु मंदिर कोटहा सीधी में आज गणेश चतुर्थी पर 14 सितम्बर को धूमधाम के साथ विघ्न विनाशक गणेश भगवान के प्रतिमा की स्थापना की गई। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ प्रतिमा की स्थापना के साथ भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। विद्यालय में 10 दिनों तक गणेशोत्सव की धूम रहेगी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य दिनेश तिवारी, शिक्षक राजेश सिंह, विनय तिवारी एवं विद्यालय के समस्त आचार्य दीदियां एवं भैया बहिन उपस्थित रहे।

नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि आज

सीधी। जिले में पंचायत उप निर्वाचन-2026 के लिए नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया जारी है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 2 जनपद सदस्य, 2 सरपंच और 19 पंच पदों के उप निर्वाचन के लिए नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी निर्धारित स्थानों पर 15 सितम्बर तक अपने नाम निर्देशन पत्र जमा कर सकेंगे। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 16 सितंबर को की जाएगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 18 सितम्बर निर्धारित है। इसी दिन दोपहर 3 बजे के बाद अभ्यर्थियों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा तथा निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन किया जाएगा। पंचायत उप निर्वाचन के लिए 29 सितम्बर को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान कराया जाएगा। पंच पद के लिए मतगणना मतदान समाप्ति के तुरंत बाद संबंधित मतदान केन्द्र पर ही की जाएगी।

त्रि-स्तरीय पंचायत उप निर्वाचन के लिए प्रेक्षक नियुक्त

सीधी। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन-2026 (पूर्वार्द्ध) का निर्वाचन 29 सितम्बर 2026 को सम्पन्न कराया जाना है। निर्वाचन प्रक्रिया को निर्विघ्न एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के लिए मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा 9 सितम्बर को नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी सेवानिवृत्त को जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के जनपद सदस्य निर्वाचन क्षेत्र क्र. 1 एवं 19 के उप निर्वाचन-2026के प्रेक्षण के लिए प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक का जिले में प्रथम चरण का भ्रमण कार्यक्रम 14 से 18 सितम्बर तक तथा द्वितीय चरण का भ्रमण कार्यक्रम 28 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। प्रेक्षक 14 सितम्बर को प्रात: 9 बजे सीधी जिले में उपस्थित हो चुके हैं।

अड़गड़ानन्द जी महाराज का बरचर आश्रम में हुआ आगमन

नवभारत न्यूज

कुसमी 14 सितम्बर। जिले से 50 किमी. की दूरी पर स्थित सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल परमहंस बरचर आश्रम में सोमवार की सुबह स्वामी अड़गड़ानन्द जी महाराज का आगमन हो चुका है।

महाराज जी शकतेशगढ़ आश्रम चुनार से सड़क मार्ग से होते हुए बरचर आश्रम पहुंचे। जानकारी लगते ही दर्शन के लिए भक्तों का तांता लग गया। जैसे ही स्वामी जी बरचर आश्रम पहुंचे श्री सदगुरुदेव भगवान की जय के जयकारों से पूरा आश्रम गुंजायमान हो गया। भक्तजनों ने स्वामी जी का दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किये।

हरतालिका तीज : सुहागिन महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

पति के दीर्घायु की कामना के साथ माता पार्वती एवं भगवान शंकर की हुई पूजा-अर्चना, देर रात तक भजन-कीर्तन का चलता रहा दौर

नवभारत न्यूज

सीधी 14 सितम्बर। महिलाओं ने आज पति के दीर्घायु के लिए हरतालिका तीज पर निर्जला व्रत रखा। भगवान शिव के जैसा वर पाने की कामना के लिए युवतियों ने भी पूरी आस्था के साथ व्रत रखा। सोमवार को ब्रम्ह मुहूर्त में महिलाओं ने नदी, तालाब आदि पवित्र जलाशयों में स्नान कर शिव मंदिरों में पूजा अर्चना की।

प्रसिद्ध शिव मंदिरों में महिलाएं काफी संख्या में पहुंची। दिन भर निर्जला व्रत रखकर व्रतियों ने रात्रि जागरण भी किया। शहर से लेकर गांवों तक शिव मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए व्रती महिलाओं का तांता लगा रहा। शहर समेत जिले भर में शिव मंदिरों में व्रती अखण्ड सौभाग्यवती की कामना लेकर पूजन किया। दूसरे दिन यानी मंगलवार की सुबह शिव परिवार की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ ही यह व्रत समाप्त किया जायेगा। ज्योतिषाचार्य पंडित रेवतीरमण तिवारी ने बताया कि इस व्रत का खास महत्व है। मान्यता है कि भगवान शिव जैसा वर पाने के लिए युवतियां इस व्रत को रखती हैं। वहीं सुहागिनी अखण्ड सौभाग्यवती की कामना के लिए व्रत का पालन करती हैं। श्री तिवारी ने बताया कि रात्रि जागरण का खास महत्व होता है। 24 घंटे तक लगातार निर्जला व्रत रखने के बाद शिव परिवार की प्रतिमाएं विसर्जन के बाद यह व्रत समाप्त हो जाता है। विवाहित महिलाएं भगवान शिव व पार्वती का पूजन किया। मान्यता यह है कि भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने यह व्रत किया था। तभी से यह व्रत प्रचलन में आ गया। इस व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय, गणेश और नंदी की मूर्तियों की पूजा की जाती है। शनिवार को शिव परिवार के कच्ची मूर्तियों के विसर्जन के बाद व्रत पूरा होगा। हिन्दू धर्म में हरतालिका तीज व्रत का महत्व बहुत अधिक माना जाता हैं। महिलाओं द्वारा उनके पति की लम्बी आयु के लिए इस व्रत का रखा जाता हैं। कई शिव मंदिरों को तीज व्रत में पूजा अर्चना के लिए खासतौर पर सजाया गया था। उधर हरतालिका तीज को लेकर बाजार में कई दिनों से रौनक रही। व्रत रहने वाली महिलाएं कई दिनों तक आवश्यक सामग्रियों की खरीदी में व्यस्त रहीं। वहीं आज भी पूजा सामग्री की खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से चलता रहा। जिले भर में हरतालिका व्रत के चलते बाजारों में ग्राहकों की काफी भीड़ कई दिनों तक रहने से व्यापारियों में भी काफी उत्साह देखा गया।

घरों में बने लजीज व्यंजन

हरतालिका तीज के त्यौहार को प्राचीन समय से धूमधाम के साथ मनाया जाता है। महिलाएं जहां सुहाग के दीर्घायु की कामना को लेकर दिन भर निर्जला व्रत रहती हैं वहीं घर में तरह-तरह के लजीज व्यंजन एवं पकवान भी बनाए जाते हैं। सीधी जिले में हरतालिका तीज के अवसर पर लोग अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार व्यंजन एवं पकवान घरों में बनवाते हैं। महिलाएं भले ही दिन भर निर्जला व्रत रहती हों लेकिन घर के अन्य सदस्यों के लिए लजीज व्यंजन एवं पकवान परोसकर उनकी खातिरदारी में कोई कमी नहीं छोंड़ती। हरतालिका तीज के त्यौहार पर गरीब से गरीब लोग भी अपनी क्षमता के अनुसार व्यवस्थाएं बनाते हैं जिसमें कपड़ा, पूजन सामग्री के साथ ही व्यंजन एवं पकवान बनाने की सामग्री शामिल रहती है। शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में हरतालिका तीज का त्यौहार धूमधाम के साथ मनाया जाता है।